टेक्निकल कोर्स के साथ प्रोफेशनल की माइनर डिग्री भी देगा यूटीयू

अशोक केडियाल • देहरादून

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) बीटेक सहित अन्य तकनीकी कोर्स की मेजर डिग्री के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर उपयोगी और रोजगारपरक प्रोफेशनल कोर्सों की माइनर डिग्री भी देगा। यह विवि स्तर पर दो तरह से लाभकारी होगा। पहला छात्र-छात्राओं का रुझान तकनीकी कोर्सों की तरफ ज्यादा बढ़ेगा। दूसरा विवि से मुख्य पाठ्यक्रम की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों के हाथ में रोजगार के लिए केवल एक ही डिग्री न होकर, बल्कि मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, डेटा एनालिसिस जैसे उपयोगी विषयों की माइनर डिग्री भी होगी।

विवि ने बीटेक पाठ्यक्रम के साथ 215 अन्य उपयोगी प्रोफेशनल माइनर कोर्स अटैच किए हैं, जिनमें से कोई भी छात्र बीटेक मुख्य पाठ्यक्रम के साथ पांच प्रोफेशनल कोर्स की पढ़ाई करते हैं तो उन्हें चार साल बाद मेजर और माइनर डिग्री प्रदान की जाएंगी।

विवि की निर्धारित सीटों पर नहीं होते शत प्रतिशत दाखिले

यूटीयू से संबद्ध राजकीय, सहायता प्राप्त और स्ववित्तपोषित 80 संस्थानों में बीटेक सहित बीबीए और बीसीए, बीफार्मा, बीएचएमसीटी, बीबीए, बीसीए, एमटेक, एमफार्मा, एमबीए, एमबीए इंटीग्रेटेड, एमएचएम, फार्मा-डी, पीजी डिप्लोमा इन साइबर सिक्योरिटी, विधि पाठ्यक्रम में बीए-एलएलबी, बीबीएलएलबी, एलएलबी, एलएलएम आदि पाठ्यक्रमों में 14 हजार सीटें हैं। पांच सालों से तीन से साढ़े तीन हजार सीटें रिक्त रह जाती हैं। केवल बीटेक में शत प्रतिशत दाखिले होते हैं। इसे देखते हुए विवि ने मेजर के साथ माइनर डिग्री की व्यवस्था की है।

कौशल विकास एवं इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग की व्यवस्था

यूटीयू ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत विभिन्न छात्र-छात्राओं के लिए पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास का प्रशिक्षण प्रारंभ किया है। इसके अलावा बीटेक व अन्य कोर्स के छात्रों के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है। साथ ही विवि स्तर पर इंटर्नशिप भी प्रारंभ कर दी गई है। यह कवायद पढ़ाई पूरी करने के साथ ही छात्रों को कैंपस से ही प्लेसमेंट दिलाने के लिए की जा रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सभी छात्रों को मुख्य तकनीकी पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ-साथ माइनर कोर्स भी दिलाए जा रहे हैं, ताकि वह चार साल के मुख्य कोर्स के साथ उपयोगी माइनर विषयों की भी पढ़ाई करें, जिसे भविष्य में उसे प्लेसमेंट में आसानी हो सके। विवि के इस अभिनव प्रयोग का उत्तराखंड के छात्रों को लाभ उठाना चाहिए, ताकि तकनीकी कोर्स की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों को शत प्रतिशत रोजगार मिल सके। विवि से संबद्ध सभी संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को दो डिग्री का लाभ दिया जा रहा है।

-प्रो. ओंकार सिंह, कुलपति, यूटीयू